|| श्री श्रीगुरु गौरांगौ जयतः ||

माताएँ सदा नंगे पाँव व निरंतर हरिनाम करते हुए ही भोग तैयार करें। चाहें तो रसोई में दरी बिछा सकते हैं।
ऐसे प्रसाद को पाने वाले में निर्गुण वृत्ति प्रगट हो जाएगी।
तीन माह तक ऐसा करने पर निश्चित रूप से ही यह स्वभाव में आ जाएगा।

प्रार्थी निवेदक – अनिरुद्ध दास

|| श्री श्रीगुरु गौरांगौ जयतः ||

माताएँ सदा नंगे पाँव व निरंतर हरिनाम करते हुए ही भोग तैयार करें। चाहें तो रसोई में दरी बिछा सकते हैं।
ऐसे प्रसाद को पाने वाले में निर्गुण वृत्ति प्रगट हो जाएगी।
तीन माह तक ऐसा करने पर निश्चित रूप से ही यह स्वभाव में आ जाएगा।

प्रार्थी निवेदक – अनिरुद्ध दास